



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 312]
No. 312]नई दिल्ली, बुधवार, जून 4, 2008/ज्येष्ठ 14, 1930
NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 4, 2008/JYAISTHA 14, 1930

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जून, 2008

सं. 28/2008-सेवाकार

सा.का.नि. 427 (अ).—वित्त अधिनियम, 2008 (2008 का 18) की धारा 101 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्वारा निम्नलिखित नियमावली बनाती है, अर्थात् :—

1. लघु शीर्ष और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों को विवाद निपटान स्कीम नियम, 2008 कहा जा सकता है।
(2) ये 1 जुलाई, 2008 से प्रवृत्त होंगे।
2. परिभाषायें—(1) इन नियमों में, जब तक मूल पाठ में अन्यथा अपेक्षित न हो—
(क) “अधिनियम” का अर्थ है वित्त अधिनियम, 2008 का अध्याय-VI;
(ख) “स्कीम” का अर्थ है वित्त अधिनियम, 2008 (2008 का 18) के अध्याय-VI के अंतर्गत विनिर्दिष्ट विवाद निपटान स्कीम, 2008;
(ग) “धारा” का अर्थ है अधिनियम की धारा;
(घ) “प्रपत्र” का अर्थ है इन नियमों के साथ संलग्न प्रपत्र।
(2) इन नियमों में गैर परिभाषित स्कीम में परिभाषित सभी अन्य शब्दों और अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे जो क्रमशः इस स्कीम में दिए गए इन शब्दों के अर्थ हैं।
3. घोषणा का प्रकार और घोषणा के सत्यापन का तरीका.—(1) स्कीम के अंतर्गत कर बकायों और देय राशि के संबंध में धारा 94 के अंतर्गत घोषणा प्रपत्र-1 में दी जाएगी;
(2) उपनियम (1) के अंतर्गत घोषणा दो प्रतियों में प्रस्तुत की जाएगी और घोषणा का सत्यापन उक्त प्रपत्र-1 में निर्धारित तरीके से किया जाएगा और उस पर ऐसी घोषणा करने वाले व्यक्ति द्वारा अथवा वित्त अधिनियम, 1994 के अंतर्गत उनकी ओर से किसी प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा;
- (3) घोषणा प्राप्त होने पर प्राधिकृत प्राधिकारी उसकी पावती के लिए रसीद जारी करेगा।
4. प्रमाण-पत्र का प्रकार.—धारा 96 की उप-धारा (2) के अंतर्गत प्रमाण-पत्र प्रपत्र-2 के रूप में होगा जिसमें कर बकायों के पूर्ण और अंतिम निपटान का व्यौरा होगा।
5. स्कीम के अंतर्गत देय राशि.—स्कीम के अंतर्गत देय किसी भी राशि का भुगतान नकद में किया जाएगा।

[फा. सं. 137/96/2008-सी एक्स-4]

राहुल नांगरे, अवर सचिव

प्रपत्र-1

[देखें नियम 3 का उप-नियम (1)]

**विवाद समाधान योजना, 2008 से संबंधित, वित्त अधिनियम, 2008 की धारा 94 के अंतर्गत
उद्घोषणा प्रपत्र**

सेवा में,

नामित प्राधिकारी

.....
.....

महोदय/महोदया,

वित्त अधिनियम, 2008 की धारा 94 के अंतर्गत में एतद्वारा उद्घोषणा करता/करती हूँ

1. उद्घोषक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में).....
 2. पता.....

दूरभाष सं.....

3. एस टी डी कोड
 4. परिसर कोड.....
 5. इस योजना के अंतर्गत निपटान के लिए प्रस्तावित मामले और बकाया कर का व्यौरा

सारणी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कारण बताओ/मांग नोटिस की सं. तथा जारी किये जाने की तारीख**	इस मामले में मूल/अपील में पारित आदेशों, यदि कोई हो, की सं. तथा	निहित बकाया कर की राशि (रूपये में) (देखें निर्देश 4) सेवाकर +शिक्षा उपकर	धारा 94 के अंतर्गत मामले में भुगतान के लिए दावा की गई ¹ राशि	उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय में दायर रिट याचिका/ अपील/संदर्भ,	टिप्पणी

	तारीख**					यदि कोई हो, का ब्यौरा	

** यह योजना वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 73क के अंतर्गत जारी होने वाले किसी भी ओदश या नोटिस पर लागू नहीं होगी।

सत्यापन

मैं.....(नाम स्पष्ट अक्षरों में)- पुत्र/पुत्री श्री सत्यनिष्ठापूर्वक यह उद्घोषणा करता/करती हूँ कि यथा संभव मेरी सर्वाधिक जानकारी में और विश्वास के अनुसार

(क) इस उद्घोषणा और विवरण तथा इसके साथ संलग्न अनुबंध में दी गयी सूचना सही और पूर्ण है और इसमें दर्शाये गये बकाया कर की राशि और अन्य ब्यौरे सही हैं;

(ख) मैं वित्त अधिनियम, 2008 की धारा 93 के प्रावधानों के अंतर्गत कोई भी उद्घोषणा करने से अयोग्य नहीं हूँ।

मैं और आगे भी यह उद्घोषणा करता/करती हूँ कि मेरी के रूप में (पदनाम) (कृपया यह स्पष्ट करें कि क्या आप उद्घोषक की ओर से उद्घोषणा कर रहे/रही हैं या नहीं) मैं यह उद्घोषणा करने और सत्यापन करने के लिए सक्षम हूँ।

उद्घोषक का नाम और हस्ताक्षर

स्थान:-

तारीख-

निर्देश :

1. यह प्रपत्र उस केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी के पास जमा किया जाना चाहिए जिसे वित्त अधिनियम, 2008 की धारा 92 (ख) के अंतर्गत प्राधिकारी नामित किया गया है।
2. जहां प्रविष्टि सुसंगत न हो, उस कालम में “लागू नहीं” भरा जाना चाहिए।
3. कालम (2) में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए कि मूल क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पारित आदेश, अपील के तहत पारित आदेश आयुक्त (अपील) या सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण या उच्च न्यायालय में से किसके द्वारा पारित किया गया है और इसके साथ सुसंगत साक्ष्य भी संलग्न किया जाना जरूरी है।
4. कालम 3 में, बकाया कर की घोषणा वित्त अधिनियम, 2008 की धारा 94 में दिये गये अर्थ के संदर्भ में की जानी चाहिए।
5. अन्य कोई सुसंगत सूचना हो तो उसे कालम 5 में दर्शाया जाना चाहिए।

फार्म-2

(नियम 4 देखें)

विवाद समाधान योजना, 2008 के संदर्भ में वित्त अधिनियम, 2008 की धारा 96(2) के अंतर्गत कर बकाए के पूर्ण और अंतिम निपटारे का प्रमाणपत्र

चूंकि..... ने (जिसे इसके बाद घोषणाकर्ता कहा जाएगा)
(घोषणाकर्ता का नाम और पता)

वित्त अधिनियम, 2008 की धारा 94 के अंतर्गत एक घोषणा की है; और चूंकि नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने योजना के प्रावधानों के अनुरूप अपने दिनांक के आदेश द्वारा घोषणाकर्ता द्वारा जमा किए जाने के लिए रु. की धनराशि निर्धारित कर दी है और ऐसे निर्धारण के बाद नीचे दिए गए विवरण के अनुसार कर बकाए के पूर्ण और अंतिम निपटारे के लिए बकाए कर और देय धनराशि का विवरण दर्शाते हुए एक प्रमाणपत्र दिया है; और चूंकि घोषणाकर्ता ने नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित रु. जमा कर दिया है; और चूंकि घोषणाकर्ता ने धारा 94 के अंतर्गत की गयी घोषणा में घोषित किया है कि ऐसे घोषणाकर्ता द्वारा कर बकाए के संबंध में किसी आदेश के विरुद्ध किसी उच्च न्यायालय में या सर्वोच्च न्यायालय में कोई याचिका/अपील/संदर्भ दाखिल नहीं की गयी है (यदि लागू न हो तो काट दें);
या

और चूंकि घोषणाकर्ता ने
(उच्च न्यायालय का नाम लिखें)

उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में कर बकाए के संदर्भ में किसी आदेश के विरुद्ध एक याचिका/अपील/संदर्भ दाखिल किया है;
और चूंकि घोषणाकर्ता ने उपर्युक्त याचिका/अपील/संदर्भ वापस ले ली है और धारा 96 की उपधारा (4) के परंतुक में निहित प्रावधानों के अनुरूप ऐसी वापसी का सबूत प्रस्तुत किया है (यदि लागू न हो तो काट दें);

अंतः अब वित्त अधिनियम, 2008 की धारा 98 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी कथित घोषणाकर्ता को एतद्वारा यह प्रमाणपत्र जारी करते हैं:-

- (क) कथित घोषणाकर्ता द्वारा की गयी घोषणा पर दिनांक के आदेश पर कर बकाए के पूर्ण और अंतिम निपटारे के लिए निर्धारित भुगतान की प्राप्ति का सत्यापन करते हुए;
- (ख) घोषणाकर्ता द्वारा की गयी उपर्युक्त घोषणा में शामिल मामलों के संबंध में, योजना में निहित प्रावधानों के अधीन, वित्त अधिनियम, 1994 के अंतर्गत कोई दंड अधिरोपित करने के लिए कोई कार्यवाही शुरू करने से प्रतिरक्षा प्रदान करते हुए।

नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी का नाम, हस्ताक्षर एवं मुहर

दिनांक:

स्थान:

सेवा में,

- (1) घोषणाकर्ता
- (2) मूल्यांकनकर्ता/न्यायनिर्णयन अधिकारी
- (3) आयकर/सीमाशुल्क/केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त
- (4) संबंधित अपीलीय प्राधिकरण/निकाय

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)**

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th June, 2008

No. 28/2008-Service Tax

G.S.R. 427(E).—In exercise of the powers conferred by Section 101 of the Finance Act, 2008 (18 of 2008), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement. - (1) These rules may be called the Dispute Resolution Scheme Rules, 2008.
 (2) They shall come into force on the 1st day of July, 2008.

2. Definitions. - (1) In these rules, unless the context otherwise requires, -
 (a) "Act" means Chapter VI of the Finance Act, 2008;
 (b) "Scheme" means the Dispute Resolution Scheme, 2008, specified in the Act;
 (c) "section" means a section of the Act;
 (d) "Form" means the Forms annexed to these rules.

(2) All other words and expressions used in these rules but not defined in these rules and defined in the Scheme shall have the same meanings respectively assigned to them in that Scheme.

3. Form of declaration and the manner of verification thereof.- (1) The declaration, under section 94, in respect of tax arrears and the amount payable under the Scheme shall be made in Form 1.

(2) The declaration under sub-rule (1) shall be furnished in duplicate and shall be verified in the manner laid down in the said Form 1 and shall be signed by the person making such declaration or by any person authorised by him in this behalf.

(3) The designated authority on receipt of declaration shall issue, a receipt in acknowledgement thereof.

4. Form of certificate.-The certificate under sub-section (2) of section 96, stating full and final settlement of tax arrears, shall be issued in Form 2;

5. Sum payable under the Scheme: Any sum payable under the Scheme shall be paid in cash.

[F. No. 137/96/2008-CX-4]

RAHUL NANGARE, Under Secy.

FORM 1

[See sub-rule (1) of rule 3]

FORM OF DECLARATION UNDER SECTION 94 OF THE FINANCE ACT, 2008 IN RESPECT OF DISPUTE RESOLUTION SCHEME, 2008

To
The Designated Authority

.....
.....

Sir/Madam,

I hereby make a declaration under section 94 of the Finance Act, 2008.

1. Name of the declarant
(in block letters)
2. Address :
.....
..... Telephone No.
3. STC Code
4. Premises code
5. Details of the case and tax arrears proposed for settlement under the Scheme:

TABLE

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Show cause/ demand notice No. and date of issue**	Nos. and date of order in original/order in appeals passed in the matter, if any**	Amount of tax arrears involved (in Rs) (See Instruction 4)	Amount claimed as payable for the case under section 94 (in Rs)	Details of writ petition/ appeal/ reference filed before a High Court or the Supreme	Remarks
		Service tax + Education cess (Primary) +	Interest	Penalty	

		Secondary and higher education cess				Court, if any	

** The Scheme does not apply to any order or notice issued under section 73A of the Finance Act, 1994

VERIFICATION

I..... (name in block letters) son/daughter of Shri..... solemnly declare that to the best of my knowledge and belief -

- (a) the information given in this declaration and statements and annexure accompanying it is correct and complete and amount of tax arrears and other particulars shown therein are truly stated;
- (b) I am not disqualified under provisions of section 93 of Finance Act, 2008 from making a declaration.

I further declare that I am making this declaration in my capacity as (designation) (Please specify if you are making a declaration on behalf of declaring) and that I am competent to make this declaration and verify it.

NAME AND SIGNATURE OF DECLARANT

PLACE :

DATE :

Instructions:

1. This Form should be submitted to the Central Excise Officer notified as designated authority under section 92(b) of the Finance Act, 2008.
2. Wherever the entry is not relevant, the column shall be filled in as "Not Applicable".
3. In column (2), the details of order passed in original adjudication or order passed in appeal by Commissioner (Appeals) or by Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal or a High Court should be clearly indicated and relevant documentary evidence shall be enclosed.
4. In column (3), the tax arrears may be declared in terms of the meaning given to it in section 94 of the Finance Act, 2008.
5. Any other information relevant to the case may be briefly indicated under column 5.

FORM 2

[See rule 4]

CERTIFICATE FOR FULL AND FINAL SETTLEMENT OF TAX ARREARS UNDER SECTION 96 (2) OF THE FINANCE ACT, 2008 IN RESPECT OF DISPUTE RESOLUTION SCHEME, 2008

Whereas _____ (hereinafter referred to as declarant) has

(Name and address of the declarant)
made a declaration under section 94 of the Finance Act, 2008;

And whereas the designated authority by order dated _____ determined the amount of _____ rupees payable by the declarant in accordance with the provisions of the Scheme and granted a certificate setting forth therein the particulars of the tax arrears and the sum payable after such determination towards full and final settlement of tax arrears as per details given below;

And whereas the declarant has paid _____ rupees being the sum determined by the designated authority;

And whereas the declarant had declared in the declaration made under section 94 that no writ petition or appeal or reference before any High Court or the Supreme Court against any order in respect of the tax arrears has been filed by such declarant (**strike off if not applicable**);

or

And whereas the declarant had filed a writ petition/appeal/ reference

(mention the name of the High Court)

High Court or the Supreme Court against any order in respect of the tax arrears;

And whereas the declarant has withdrawn the said writ petition/appeal/reference and furnished proof of such withdrawal in accordance with the provisions contained in the proviso to sub-section (4) of section 96 (**strike off if not applicable**);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 96 of the Finance Act, 2008, the designated authority hereby issues this certificate to the said declarant:-

(a) certifying the receipt of payment from the declarant towards full and final settlement of tax arrears determined in the order dated _____ on the declaration made by the aforesaid declarant;

(b) granting immunity, subject to the provisions of the Scheme, from institution of any proceeding for imposition of penalty under the Finance Act, 1994, in respect of matters covered in the aforesaid declaration made by the declarant.

Date :

Place :

Name, Signature and Seal of Designated Authority

To

(1) The Declarant

(2) Assessing/Adjudicating Officer

(3) Commissioner of Income Tax/Customs/Central Excise

(4) Concerned Appellate authorities/bodies